ओ३म्

वैदिक संस्कृति का उद्घोषक

वैदिक सार्वदेशिक

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, नई दिल्ली का साप्ताहिक मुख-पत्र

शुल्क :- एक प्रति 5 रुपया (भारत में) वार्षिक 250 रुपये तथा आजीवन 2500 रुपये

वर्ष 15 अंक 15 कुल पृष्ठ-4 7 से 13 मई, 2020 दयानन्दाब्द 197 सृष्टि सम्वत् 1960853121 सम्वत् 2077 चै. शु.-03

कोरोना वायरस से उपजी विश्वव्यापी आपदा में आर्य समाज कर रहा है प्रशंसनीय सहायता कार्य

निर्धन, असहाय तथा जरूरतमंद व्यक्तियों को यथा सामर्थ्य पहुँचायें भोजन तथा आवश्यक सामग्री

समस्त आर्यजनों से सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी की विनम्र अपील

सर्वविदित है कि आज पूरा विश्व कोरोना नामक महामारी से जूझ रहा है और अत्यन्त मुश्किल दौर से गुजर रहा है। महामारी बन चुकी इस खतरनाक बीमारी का दुष्प्रभाव हमारे देश में भी निरन्तर बढ़ता जा रहा है। यह अभूतपूर्व स्थिति है। इतिहास गवाह है कि किसी भी विपदा के समय यदि हर व्यक्ति परिवार और समाज ने अपनी–अपनी जिम्मेदारी निभाई तो उससे पार पाना आसान हो गया था। सरकार और उसकी संस्थाओं के साथ–साथ देश के आम और खास लोग यानि सभी देशवासी अत्यन्त तत्परता, ईमानदारी से यदि इस खतरनाक बीमारी की रोकथाम करने में अपने कर्त्तव्य का पालन करते हैं तो इससे छुटकारा मिलने में आसानी हो सकती है। इस विकट संकटकाल में अमेरिका और यूरोप के देशों जैसी दुनिया की शीर्ष महाशक्तियाँ स्वास्थ्य और सम्पन्नता के विश्वस्तरीय सुविधा होते हुए भी लाचार और बेबस नजर आ रही हैं, वहीं हमारा देश इस अदृष्य परजीवी के विरुद्ध तमाम शक्ति सम्पन्न देशों की तुलना में बेहतर स्थिति में है इसके पीछे जो मुख्य कारण है वह है समय रहते प्रधानमंत्री द्वारा सम्पूर्ण लॉकडाउन लागू करना। यद्यपि सम्पूर्ण लॉकडाउन करते समय यदि दो–चार दिन का समय लोगों को अपने–अपने स्थान पर जाने के लिए दे दिया जाता तो आज प्रवासी मजदूरों तथा लॉकडाउन में फंसे अन्य लोगों की समस्या इतना विकराल रूप धारण नहीं करती और सम्भवतः कोरोना संक्रमण भी इतनी तेजी से नहीं फैलता। लॉकडाउन को लागू किये लगभग डेढ़ महीने का समय बीत चुका है और केन्द्र सरकार तथा प्रान्तीय सरकारों ने कोरोना से लड़ने के लिए विविध उपाय करके इसको काफी हद तक रोकने में सफलता प्राप्त की है। कोरोना के साथ हो रहे इस युद्ध में विशेष रूप से डॉक्टर, नर्स, अस्पतालों के अन्य कर्मचारी, सफाई कर्मचारी तथा पुलिसकर्मी जिन्हें कोरोना के योद्धा की उपाधि से विभूषित किया गया है उनकी भूमिका निःसंदेह अत्यन्त प्रशंसनीय रही है। इस मुश्किल हालात में देश की एकजुटता, संयम और अनुशासन के लिए देश की जनता भी निश्चित रूप से प्रशंसा की पात्र है। छूटपुट दिग्भ्रमित लोगों को छोड़कर पूरे देश की जनता ने इस संकट के समय जो योगदान दिया है वह भी एक प्रमुख कारण है जिससे लॉकडाउन और कोरोना के विरुद्ध जो अभियान है वह सफल रहा है। अब लॉकडाउन का तीसरा चरण प्रारम्भ हो चुका

है। सरकार की ओर से विभिन्न प्रकार की लॉकडाउन की शर्तों में विविध प्रकार की छूट दी गई है जिनमें सरकारी कार्यालयों का खुलना, उद्योगों में कार्य प्रारम्भ होना, बाजारों का खुलना और लॉकडाउन में जहां–तहां फंसे हुए लोगों विशेषकर प्रवासी मजदूरों को उनके पैतृक गांव में पहुँचाना आदि शामिल है। ऐसी स्थिति में यदि शारीरिक दूरी, मुँह और नाक को ढंककर रखना (मास्क लगाना), आवश्यक न हो तो घर से बाहर न जाना, बाजार, दफ्तर या किसी भी कार्य स्थल में शारीरिक दूरी बनाकर रखना अत्यन्त आवश्यक है। यदि इसमें थोड़ी सी भी लापरवाही हो गई तो पिछले डेढ़ महीने का प्रयास विफल हो जायेगा और कोरोना संक्रमण हमारी लापरवाही से पुनः अपना विकराल रूप दिखा सकता है। अतः यह आवश्यक है कि जब तक कोरोना का संक्रमण घटना शुरू नहीं हो जाता, कोरोना से मरने वालों की संख्या कम होना शुरू नहीं हो जाती तब तक देशवासियों को अपनी सुरक्षा और सभी की सुरक्षा के लिए निष्ठा और ईमानदारी के साथ लॉकडाउन के नियमों का सख्ती से पालन करना चाहिए। इस समय पूरे देश की राजनीतिक पार्टियों, धार्मिक व सामाजिक संगठनों तथा विभिन्न संस्थाओं को केवल और केवल कोरोना के विरुद्ध मिलकर कार्य करने की जरूरत है और इसके लिए आवश्यक है कि देश के प्रधानमंत्री और राज्यों के मुख्यमंत्री सभी राजनैतिक, धार्मिक, सामाजिक संगठनों के नेताओं के साथ निरन्तर सम्पर्क एवं विचार–विमर्श का क्रम जारी रखें और इस मुद्दे पर एकमत होकर जो कार्य आवश्यक है उनको करें।

आर्य समाज का इतिहास इस बात का साक्षी है कि जब–जब भी मानवता पर कोई संकट आया है या भारतवर्ष में कोई विपदा आई है तो आर्य समाज ने युद्ध स्तर पर सेवा एवं सहायता का कार्य करके संकटग्रस्त लोगों को सहयोग दिया है। आर्य समाज का उद्देश्य ही स्पष्ट है कि संसार का उपकार करना इस समाज का मुख्य उद्देश्य है अर्थात् शारीरिक, आत्मिक व सामाजिक उन्नति करना। आर्य समाज सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामया' के सिद्धान्त को मानता है। अतः आर्य समाज का प्रत्येक कार्यकर्ता कोरोना की इस महामारी के कारण पीड़ित लोगों की तन–मन–धन से सेवा एवं सहायता कर रहा है। पूरे वातावरण को शुद्ध एवं प्रदूषण रहित बनाने के लिए प्रतिदिन यज्ञ कर

शेष पृष्ठ 4 पर

सम्पादक - प्रो. विट्ठलराव आर्य

सार्वदेशिक सभा के अपील पर विभिन्न प्रान्तों में किये जा रहे राहत कार्यों पर एक दृष्टि

कोरोना महामारी के दौरान आर्य प्रतिनिधि सभा आन्ध्र प्रदेश+तेलंगाना द्वारा गरीब तथा जरूरतमंद लोगों को भोजन तथा अन्य जरूरी सामग्री का वितरण

सार्वदेशिक सभा एवं आर्य प्रतिनिधि सभा आन्ध्र प्रदेश+तेलंगाना के मंत्री प्रो. विट्ठलराव आर्य के नेतृत्व में कोरोना की वजह से जरूरतमंद व गरीब लोगों को सभा की ओर से लगभग 3000 लोगों को भोजन के पैकेट बनवाकर नगर निगम के अधिकारियों के सहयोग से तथा सुल्तान बाजार ट्रेडर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री गोविंद राठी जी के सहयोग से हैदराबाद की गरीब बस्तियों जैसे घोड़े की कबर, बेगम बाजार, कारवान, इसमिया बाजार, चंदानगर, हीरानगर, गोशामहल, यल बी नगर आदि अनेक बस्तियों में भोजन वितरण का कार्य किया जा रहा है। कोरोना के सन्दर्भ में सभी से सामाजिक दूरी (Social Distance) बनाये रखने की अपील तथा स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

आर्य वीरदल जोधपुर द्वारा कोरोना पीड़ितों को खाद्य सामग्री, ताजा सब्जियाँ वितरित की गई, घर–घर यज्ञ किया गया तथा मुख्यमंत्री राहत कोष में एक लाख रुपये भेट किये गए

आर्य वीर दल जोधपुर लॉकडाउन के दौरान जरूरतमंदों की मदद के लिए सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा नई दिल्ली के उपमंत्री श्री रामसिंह जी आर्य के निर्देशानुसार आर्य वीरदल जोधपुर के अध्यक्ष श्री हरी सिंह आर्य, समाजसेवी एवं पुरानी बस्ती मंडोर के प्रधान श्री विनोद गहलोत, संचालक श्री उम्मेद सिंह जी आर्य के सानिध्य में जरूरतमंदों को आवश्यकतानुसार प्रतिदिन अलग–अलग सामग्री जैसे कभी ताजी हरी सब्जियाँ, चाय–शकर तो कभी सूखा सामान जिसमें आटा, तेल, दाल, नमक, मिर्च, हल्दी, प्याज, आलू, का पैकेट बनाकर जोधपुर के हर भाग में वितरित किया जा रहा है।

सामान विरतण में श्री अनिल जी आर्य, श्री कृतार्थ जी गहलोत, श्री बुद्धिप्रकाश जी गॉड, श्री पृथ्वी सिंह जी गहलोत, श्री लक्ष्मण सिंह जी, श्री प्रेम शंकर जी, श्री महिपाल जी कछवाह, श्री दिनेश जी मेघवाल, श्री कुलदीप सिंह जी, श्री तनवीर जी, श्री मुकुल जी आर्य, श्री निखिल जी आर्य, श्री पूनाराम आर्य, श्री गणपत सिंह आर्य, श्री विनोद जी आचार्य, श्री पूनम सिंह जी शेखावत, श्री हेमंत जी शर्मा, श्री महेश जी आर्य, श्री जयदीप सिंह जी सहित आर्य वीर दल, आर्य समाज के पदाधिकारियों ने क्षेत्रवार रसद सामग्री तथा सेनेटाइजर वितरित किये। आर्य वीरदल के कार्यकर्ता अपने–अपने घरों में प्रतिदिन हवन भी कर रहे हैं जिससे कोरोना महामारी से निपटने में सहायता मिल रही है।

सार्वदेशिक सभा के उपमंत्री श्री रामसिंह जी आर्य, अध्यक्ष श्री हरिसिंह जी आर्य, आर्य वीर दल राजस्थान के अधिष्ठाता श्री भंवरलाल जी आर्य, श्री चांदमल जी आर्य, श्री नारायण सिंह जी आर्य, संयोजक श्री लक्ष्मण सिंह जी आर्य, श्री विनोद जी गहलोत, कोषाध्यक्ष श्री मदन गोपाल जी आर्य, संचालक श्री उम्मेद सिंह जी आर्य ने पूरे जोधपुर आर्य वीर दल की ओर से जोधपुर कलेक्टर को मुख्यमंत्री फंड हेतु 100000/– (एक लाख रुपये) भेंट स्वरूप प्रदान किये।

बिहार के आर्य समाज ब्यापुर में कोरोना महामारी के दौरान गरीब मजदूर तथा जरूरतमंदों को सहायता सामग्री उपलब्ध करायी गयी

कोरोना वैश्विक महामारी के कारण आज पूरे देश में लॉकडाउन के कारण गरीब, मजदूर, असहाय तथा जरूरतमंद लोगों को आर्य समाज ब्यापुर के प्रधान श्री अरूण आर्य जी के नेतृत्व में ब्यापुार पंचायत में लगभग तीन सौ लोगों के बीच 10–10 किलो आटा, एक किलोग्राम नमक तथा अन्य खाद्यसामग्रियों का वितरण किया गया।

इस मौके पर आर्य समाज के मंत्री श्री विमलेश कुमार, श्री अजय गुप्ता, श्री उमेश कुमार सिंह, श्री विजय कुमार सिंह, श्री सोनू गुप्ता, श्री रुद्रसेन प्रभात, श्री रोशन आर्य सहित अन्य लोगों ने सहभागिता में लगे रहे।

– अरूण आर्य, प्रधान, आर्य समाज ब्यापुर

विभिन्न आर्य प्रतिनिधि सभाओं व आर्य समाजों द्वारा कोरोना संक्रमण के दौरान किये गये सहायता कार्यों का संक्षिप्त विवरण निम्न प्रकार है

सार्वदेशिक सभा के कार्यकारी प्रधान श्री सत्यव्रत सामवेदी जी के नेतृत्व में जयपुर में अब तक भोजन के लाखों पैकेटों का वितरण किया जा चुका है। राजस्थान के जोधपुर में सार्वदेशिक सभा के उपमंत्री श्री रामसिंह आर्य के नेतृत्व में उनकी टीम बहुत अच्छा कार्य कर रही है। आर्य वीरदल जोधपुर के अतिरिक्त आर्य वीरदल जालौर, आर्य वीरदल तथा आर्य समाज शिवगंज, आर्य समाज अलवर, कोटा की विभिन्न आर्य समाजों, सत्यार्थ प्रकाश न्यास उदयपुर, आर्य समाज टोंक आदि के द्वारा भी सहायता कार्य चलाये जा रहा है। आर्य वीरदल तथा आर्य समाज जालौर की ओर से श्री दलपत सिंह आर्य के नेतृत्व में एक लाख ग्यारह हजार रुपये मुख्यमंत्री राहत कोष में दी गई। उत्तर प्रदेश के हॉटस्पॉट नगर आगरा में राहत कार्य विभिन्न आर्य समाजों के सहयोग से आर्य समाज नाई की मण्डी के माध्यम से चलाया गया। आगरा में प्रतिष्ठित नेता श्री रमाकान्त सारस्वत जी, श्री अश्विनी कुमार आर्य, श्री अरविन्द मेहता, श्रीमती शांति नागर, श्री मनोज कुमार, श्री विजय अग्रवाल, युवा विद्वान् श्री हरिशंकर अग्निहोत्री आदि ने आगरा के सभी आर्य समाजों तथा संस्थाओं को सहयोगी बनाकर इस राहत यज्ञ को बहुत ही कुशलता के साथ चलाया हुआ है। वहाँ जरूरतमंद लोगों के अतिरिक्त गोशालाओं में चारा, भूसा पहुँचाने का भी विशेष अभियान चलाया गया। सार्वदेशिक सभा एवं आर्य प्रतिनिधि सभा आन्ध्र प्रदेश+तेलंगाना के यशस्वी मंत्री प्रो. विट्ठलराव आर्य के नेतृत्व में हैदराबाद तथा तेलंगाना के विभिन्न स्थानों पर सहायता कार्य चलाया जा रहा है। झारखण्ड आर्य प्रतिनिधि सभा के मंत्री श्री पूर्ण सिंह आर्य रांची के निर्देशन में सैकड़ों लोगों को राशन वितरण किया जा रहा है तथा अन्य सहायता कार्य पूरे उत्साह के साथ किये जा रहे हैं। हरियाणा में सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद् और बेटी बचाओ अभियान के कार्यकर्ताओं ने ब्र. दीक्षेन्द्र आर्य तथा बहन पूनम आर्या एवं बहन प्रवेश आर्या के निर्देशन में राहत कार्य में बढ़–चढ़कर भाग लिया और जरूरतमंद लोगों तक राहत सामग्री पहुँचाई। गुरुकुल सिंहपुरा, रोहतक के तत्वावधान में राशन वितरण का कार्य गुरुकुल के मंत्री श्री वेद प्रकाश आर्य तथा गुरुकुल के प्रबन्धक श्री राजेन्द्र प्रसाद आर्य, श्री गजनूप सिंह आर्य आदि के प्रयास से राशन वितरण किया गया। उनके इस कार्य को शुभारम्भ कराने के लिए सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी भी गुरुकुल में गये। आर्य प्रतिनिधि सभा उत्तराखण्ड के प्रधान श्री गोविन्द सिंह भण्डारी के नेतृत्व में आर्य समाज बागेश्वर की तरफ से सहायता कार्य बहुत बड़े स्तर पर किया जा रहा है। हिमाचल प्रदेश में दयानन्द मठ चम्बा के अन्तर्गत आचार्य महावीर सिंह जी के नेतृत्व में अभूतपूर्व सेवा कार्य किया जा रहा है। इसी प्रकार आर्य समाज फाउण्डेशन औरंगाबाद, महाराष्ट्र, आर्य समाज जूई, जिला–भिवानी, हरियाणा, आर्य केन्द्रीय सभा करनाल, हरियाणा, आर्य केन्द्रीय सभा सोनीपत, आर्य समाज दाल बाजार लुधियाना, जिला आर्य उपप्रतिनिधि सभा देहरादून, जिला आर्य उपप्रतिनिधि सभा हरिद्वार, जिला उपप्रतिनिधि सभा उधमसिंह नगर, जिला उपप्रतिनिधि सभा भागलपुर, बिहार, गुरुकुल आमसेना, उड़ीसा, गुरुकुल कोसरंगी, छत्तीसगढ़, आर्य समाज कोलकाता तथा दिल्ली की विभिन्न आर्य समाजों द्वारा भी इस संक्रमण के दौरान राहत शिविर चलाये गये। इनके अतिरिक्त अनेक स्थानों के समाचार जो अभी प्राप्त हो रहे हैं जहाँ पर राहत कार्य किये जा रहे हैं उनकी सूचना अगले अंकों में दी जायेगी। संतोष की बात यह है कि सारे विश्व के आर्यजन इस संकट की घड़ी में मानवता की सेवा के लिए उमड़ पड़े।

सार्वदेशिक सभा के कार्यकारी प्रधान श्री सत्यव्रत सामवेदी जी की प्रेरणा से आर्य समाज आदर्शनगर, जयपुर में 26 हजार लोगों को प्रतिदिन भोजन वितरित करके किया गया प्रशंसनीय कार्य

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के कार्यकारी प्रधान श्री सत्यव्रत सामवेदी जी की प्रेरणा से आर्य समाज आदर्शनगर, जयपुर में कोरोना पीड़ित लोगों को राहत पहुंचाने के लिए बहुत बड़े स्तर पर सहायता कार्य किया गया। आर्य समाज के प्रांगण में लगभग एक सौ हलवाई लगाकर प्रतिदिन 26 हजार लोगों का भोजन तैयार करके जरूरतमंद लोगों को उनके आवासीय कालोनियों में वितरित करवाया। आर्य समाज आदर्शनगर के कर्मठ कार्यकारी प्रधान श्री रवि नायर के नेतृत्व में यह राहत कार्य अत्यन्त कुशलता एवं कर्मठता से किया गया। श्री रवि नायर ने सूचित किया कि उनके राहत कार्य में लगभग एक करोड़ रुपया खर्च हो चुका है और अभी भी वह केन्द्र चल रहा है। उनके इस राहत कार्य की प्रशंसा राजस्थान के समस्त अखबारों और टी.वी. चैनलों पर भी प्रचारित किया गया जिससे आर्य समाज के प्रति लोगों की विशेष भावना बनी और अन्य लोगों ने भी प्रेरणा लेकर इस तरह के राहत कार्य तेजी से प्रारम्भ किये। श्री रवि नायर के साथ आर्य समाज के धर्माचार्य पं. जानकी प्रसाद शास्त्री, पं. राम कुमार शास्त्री, श्री नाथूलाल आर्य, श्री रामस्वरूप मीणा व अन्य सक्रिय कार्यकर्ताओं ने दिन–रात कार्य किया।

आर्य प्रतिनिधि सभा उत्तराखण्ड द्वारा गरीब मजदूर तथा जरूरतमंदों को सहायता सामग्री वितरित की गई

आर्य प्रतिनिधि सभा उत्तराखण्ड की ओर से देहरादून की आर्य समाजों ने अब तक लगभग दो लाख रूपये का दान संग्रह करके प्रधानमंन्त्री कोरोना फन्ड में देने का निश्चय किया। इस कार्यक्रम में धनराशि को और बढ़ाने का प्रयास हो रहा है साथ ही प्रशासन के साथ मिलकर जरूरतमंनद लोगों के भोजनादि से मदद की जा रही है। हरिद्वार की आर्य समाजें राशन वितरण में प्रशासन के साथ योगदान कर रही हैं। वे लोग जो भूमिहीन हैं दूसरों के खेतो में बटाई पर काम करते हैं या खेतिहर मजदूर हैं उनके लिये यहाँ कार्य हो रहा है। उधम सिंह नगर में आर्यजन भोजनादि के प्रबन्धों में योगदान दे रहे हैं। बागेश्वर में आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान श्री गोबिन्द सिंह भण्डारी के नेतृत्व में लगभग डेढ़ हजार मजदूरों को खाद्यान्न वितरित किया गया। अल्मोड़ा की आर्य समाजें आवारा गोवंश तथा अन्य पशुओं के लिये अपना योगदान दे रही हैं। इस कार्य में सभा मन्त्री श्री दयाकृष्ण काण्डपाल ने बताया कि पिथौरागढ़ आर्य समाज पशुओं के चारे का प्रवन्धन कर रही है यह कार्य श्री गंगा दत्त जोशी देख रहे हैं। चम्पावत आर्य समाज ने कोरोना से बचने के लिये जन–जागृति अभियान चलाया है जिसमें आचार्य रामदेव की भूमिका प्रमुख है। उधम सिंह नगर जिले में विश्वमित्र शास्त्री व विनीत पाठक जरूरतमन्द मजदूरों को सहयोग पहुँचाने में मदद कर रहे हैं। गढ़वाल से उम्मेद सिंह विशारद व हरिद्वार से स्वामी यज्ञमुनि जी, मानपाल सिंह राठी, श्री हाकम सिंह आर्य, श्री दिनेश कुमार आर्य जरूरतमन्द लोगों की मदद कर रहे हैं।

आर्य प्रतिनिधि सभा उत्तराखण्ड के प्रधान श्री गोविन्द सिंह भण्डारी, मंन्त्री श्री दयाकृष्ण काण्डपाल ने उत्तराखण्ड की आर्य समाजों से अपेक्षा की है कि कोरोना वायरस से बचने के लिये सरकार द्वारा जो दिशा निर्देश दिये गये हैं वे उसका पालन करते हुए अपना सामाजिक उत्तरदायित्व निभायें।

झारखंड राज्य आर्य प्रतिनिधि सभा और आर्य समाज मंदिर रांची द्वारा निर्धनों असहायों तथा निराश्रित लोगों को वितरित की गई सहायता सामग्री

दिनांक 7.4.2020 को झारखंड राज्य आर्य प्रतिनिधि सभा और आर्य समाज मंदिर रांची के सौजन्य से पिठोरिया थाना क्षेत्र के रड़हा पुल के आस–पास के बस्ती में दिहाड़ी मजदूरी करने वाले 47 परिवारों के बीच खाद्य सामग्री का वितरण किया गया। यह वितरण मुख्य अतिथि पिठोरिया के थाना प्रभारी श्री विनोद राम के माध्यम से बांटा गया। खाद्य सामग्री में चावल, दाल, आलू, नमक, मसाला, सरसों तेल शामिल हैं। इसके साथ साबुन सहित अन्य समान भी बांटे गए।

वितरण करने वालों में झारखंड राज्य आर्य प्रतिनिधि सभा के मंत्री श्री पूर्ण चन्द आर्य, स्वामी सवितानंद सरस्वती, आर्य समाज मंदिर रांची के मंत्री श्री अजय आर्य, श्री मनु गुप्ता, श्री संजय पोद्दार, श्री विश्वजीत केशरी, श्री राजेश साहू, श्री शुभम चौरसिया, श्री एस. के. केशरी, श्री नीतेश, श्री अंबर, श्री कुणाल, श्री आलोक सहित अन्य शामिल थे।

सोशल मीडिया के माध्यम से स्वामी आर्यवेश जी से जुड़ें

आर्य युवा सन्यासी व सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान स्वामी आर्यवेश जी से जुड़ने के लिए इस लिंक पर क्लिक करें
www-facebook-com/SwamiAryavesh व फेसबुक पेज को लाइक करें व अन्य मित्रों को भी प्रेरित करें।
ई-मेल : aryavesh@gmail.com
Tel. :-011-23274771

प्रतिष्ठा में :–

अवितरण की दशा में लौटाएँ –
सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा
"दयानन्द भवन" 3/5 आसफ अली रोड, नई दिल्ली–110002

पृष्ठ 1 का शेष

कोरोना वायरस से उपजी विश्वव्यापी आपदा में आर्य समाज कर रहा है प्रशंसनीय सहायता कार्य

रहा है। कोरोना संक्रमण के दौरान आर्य समाज ने अपनी तेजोऽमयि परम्परा को अक्षुण्य रखते हुए इस संकट की घड़ी में अपने सहयोगी हाथ बढ़ाकर प्रशंसनीय कार्य किया है। आर्य समाज के पदाधिकारीगण और कर्मठ कार्यकर्ता पूरे देश में निर्धन, असहाय और जरूरतमंद लोगों की तन–मन–धन से सहायता कर रहे हैं। राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, आन्ध्र प्रदेश+तेलंगाना, उत्तराखण्ड, झारखण्ड, बिहार, बंगाल, उड़ीसा, आसाम, नागालैण्ड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडू, चण्डीगढ़, जम्मू कश्मीर आदि प्रान्तों से जो समाचार प्राप्त हुए हैं वे अत्यन्त उत्साहवर्द्धक हैं। इसी प्रकार प्रकार अमेरिका, आस्ट्रेलिया, हालैण्ड, दक्षिण अफ्रीका, केनिया, मॉरिसस, इंग्लैण्ड, जर्मनी, बंगलादेश, पाकिस्तान, कनाडा, फिजी, न्यूजीलैण्ड, वर्मा, गुयाना, सूरीनाम, त्रिनीदाद, युगाण्डा, तंजानिया आदि देशों से भी सूचनाएँ प्राप्त हो रही हैं कि वहां के आर्यजन और वहां की आर्य प्रतिनिधि सभाएँ कोरोना पीड़ितों की सहायता के लिए सक्रिय भूमिका निभा रही हैं।

सभी आर्यजनों को इस ऐतिहासिक सेवा कार्य के लिए सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा की ओर से साधुवाद एवं धन्यवाद देते हुए हम यह अपील करते हैं कि जब तक कोरोना संक्रमण समाप्त नहीं हो जाता तब तक आर्य समाज की प्रत्येक इकाई और आर्य समाज का प्रत्येक सदस्य अपना सक्रिय योगदान संक्रमण पीड़ित और प्रभावित लोगों को देते रहें।

।।ओ३म्।।
सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा द्वारा
25 हजार वेद सैट प्रकाशित करने की महत्त्वाकांक्षी योजना

घर–घर तक पहुँचाई जायेगी परमात्मा की वेद वाणी

चारों वेदों का सम्पूर्ण हिन्दी भाष्य

भारी छूट पर उपलब्ध

(महर्षि दयानन्द, तुलसीराम स्वामी एवं पं. क्षेमकरण दास कृत)
(10 खण्ड, 9 जिल्दों में)

मात्र 3100/– में

एक वेद सैट मात्र 3100/– रुपये में उपलब्ध है।

10 अथवा उससे अधिक वेद सैट लेने पर
लागत मूल्य में 30 प्रतिशत की छूट दी जायेगी

प्रत्येक आर्य समाज, स्कूलों के पुस्तकालयों, वाचनालयों तथा प्रत्येक घर में परमात्मा की वाणी वेदों का होना आवश्यक है। अधिक से अधिक संख्या में अग्रिम आदेश भेजकर भारी छूट का लाभ उठायें। डाक व्यय 300/– रुपये अलग से देना होगा। प्रारम्भिक स्तर पर 25 हजार वेद सैट प्रकाशित करने की योजना क्रियान्वित की जायेगी।

अपना आदेश **'सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा'** के नाम चैक/बैंक ड्राफ्ट द्वारा "दयानन्द भवन" 3/5 आसफ अली रोड, नई दिल्ली–2 के पते पर अग्रिम भेजकर अपना वेदों का सैट बुक करा सकते हैं।

–: प्रकाशक :–
सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, "दयानन्द भवन" 3/5 आसफ अली रोड, नई दिल्ली–110002 ● दूरभाष :– 011–23274771

प्रो० विट्ठलराव आर्य, सभा मंत्री, प्रकाशक व मुद्रक द्वारा सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, 3/5 महर्षि दयानन्द भवन, (रामलीला मैदान/आसफ अली रोड), नई दिल्ली-110002 के लिए प्रकाशित तथा ज्योति प्रिंटिंग प्रेस, ई-94, सैक्टर-6, नोएडा-201301 से प्रकाशित एवं मुद्रित। (फोन : 011-23274771, 23260985 टेलीफैक्स : 23274216)
सम्पादक : प्रो० विट्ठलराव आर्य (सभा मन्त्री) मो.:0-9849560691, 0-9013251500 ई-मेल : sarvadeshik@yahoo.co.in, sarvadeshikarya@gmail.com वैबसाइट : www.vedicaryasamaj.com
वैदिक सार्वदेशिक साप्ताहिक में छपे लेखों तथा विचारों से सम्पादक या सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा की सैद्धान्तिक मतैक्यता होना अनिवार्य नहीं है।